२. परिचय (प्रवेशिका प्रथम) (द्वितीय वर्ष) – कथक

कुल अंक :– १०० क्रियात्मक :– ८० मौखिक शास्त्र :– २०

✻ **क्रियात्मक :**

१. शुद्ध नृत पक्ष – ५०
२. अभिनय पक्ष – १०
३. अंग शुद्धि – ५
४. वेशभूषा – ५
५. प्रस्तुति प्रभाव – १०
६. मौखिक शास्त्र – २० (पढन्त एवं मुद्रा सहित)

क्रियात्मक

१. रंगमंच प्रणाम – १
२. ठाट – १ मुखडा
३. सादी आमद – १
४. सादे तोडे – ४
५. चक्रदार तोडे – २
६. परन – २
७. कवित्त / कविता ताडे – १
८. गतनिकास – सीधीगत, बाँसुरी गत
९. लयकारी – विलंबित लय, मध्यलय, द्रुतलय, आठगुन तिहाई सहित
१०. बाँट – चार पल्टे तिहाइ सहित

✻ दादरा एवं कहरवा ताल – लयकारी – ठाह एवं दुगुन (गिनती, ठेका, नृत्य के बोल)
✻ अभिनय १. गुरु वंदना
२. किसी भी ताल में एक अभिनय गीत **(Recorded)** भी चलेगा ।
✻ पठन्त – सभी रचनाओं की पढन्त आवश्यक है ।
✻ असंयुकत हस्त मुद्राए – सिर्फ करके दिखाना है और उनके २–२ उपयोग अभिनय दर्पण के अनुसार पताक, त्रिपताक, अर्धपताक, कर्तरी मुख, मयूर, अर्धचन्द्र, अराल शुकतुण्ड, मुष्ठि, शिखर, कपित्थ, कटकामुख, सूची, चंद्रकला ।

मौखिक शास्त्र

१. भारत की प्रमुख आठ शास्त्रीय नृत्य शैलियों के नाम
२. परिभाषाएँ : – तोडा, चक्रदार तोडा, लय (बराबरी की लय, दुगुन, चौगुन) गतनिकास, गतपल्टा, तत्कार, बाँट, कवित्त, कविता–तोडा, रंगमंच प्रणाम, परन, आमद, ठाट ।
३. त्रिताल, दादराताल, एवं कहरवा ताल कि जानकारी
(मात्रा, खंड, ठेका, ताली, खाली, चिन्ह सहित)